



कमी अवलोकन किया गया। पार्सिस भूमि का  
अधिकोषणा एवं ~~अपार~~ निषेधाज्ञा से  
संबन्धित है। भूमि का ~~निष्ठा~~  
शासक रिकार्ड एवं ~~सर्वे~~ की पक्षाधिकारी  
बनाये रखने हेतु पार्सिस शर्तों पर  
अपार निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाय  
रूपोपचिह्न है। अतः पार्सिस का शर्तों पर  
अपार निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाय है  
तथा अपार शर्तों से भूमि का ~~निष्ठा~~  
तक इस आशय से अपार निषेधाज्ञा से  
प्रतिबन्धित किया जाय है कि बादकाल शर्तों पर

खैरवाल सिविल ब-न	934	1537	1535	1553	1554
	0.51	0.79	0.58	1.78	0.30
तथा 1555					
	0.76	कुल बिगाह	कुल रुबबा	4.12	हेक्टर

के शासक रिकार्ड एवं सर्वे की पक्षाधिकारी बनाये  
रखे। प्रकरणा के तहत सुप्रीम कोर्ट मामले में  
कर के अभाव में अतिरिक्त प्रविष्टि के लिये  
आपार से एवं भूमि का ~~निष्ठा~~  
निर्णय शासक लोक अदालत के साथ कोर्ट  
खैरवाल के मामले आम में लिया गया  
जाकर सुनाया गया।

  
 न्यायक कलकत्ता  
 कोर्ट

